place to honour the sacrifice made by him. It is unfortunate that we have a road in the name of Aurangzeb, but nothing in the name of Guru Tegh Bahadur and his disciple Lukhy Shah Vanjara.

SHRI VIRENDRA BHATIA (Uttar Pradesh): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI BALBIR PUNJ (Orissa): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI RAM NARAYAN SAHU (Uttar Pradesh): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI LALIT KISHORE CHATURVEDI (Rajasthan): Sir, I would also like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI RAMA CHANDRA KHUNTIA (Orissa): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Okay; okay; all of you have associated yourselves with it. It is fine. Now, Shri Mahendra Mohan.

Concern over the crisis caused by acute shortage of NCERT books for the new academic session

श्री महेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, सदन में थोड़ी देर पहले शिक्षा पर चर्चा हो रही थी, मैं अपने इस विशेष उल्लेख के द्वारा शिक्षा की ओर ही सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं।

मैं अपने इस विशेष उल्लेख के माध्यम से सदन का ध्यान NCERT द्वारा समय से स्कूल पुस्तकें न उपलब्ध कराए जाने की ओर दिलाना चाहता हूं। स्कूलों का नया सत्र 1 अप्रैल से शुरू हो गया है, परन्तु कक्षा 5 और 8 की NCERT की किताबें बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। ज्ञात हुआ है कि नए पाठ्यक्रम को इस वर्ष से शामिल करने के कारण NCERT अभी इन पुस्तकों का खाका बनाने और छपाई में लगी हुई है।

पिछले दो सालों में भी NCERT ने कुछ कक्षाओं के पाठ्यक्रम का नवीनीकरण किया था और उन पिछले दोनों सालों में भी यही कठिनाई सामने आयी थी तथा पुस्तकें समय पर उपलब्ध नहीं हो पाई थीं। अब तो यह हर साल की बात हो गई है। इससे छात्रों और स्कूलों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इस तरह हर वर्ष देर से किताबों को छापने का क्या कारण है? अगर NCERT ने पाठ्यक्रम में बदलाव लाने का फैसला किया है, तो उसे यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि ये किताबें स्कूल शुरू होने से पहले छप सकें।

महोदय, इस विषय में सरकार ने क्या कदम उठाए हैं तथा भविष्य में इस तरह की स्थिति न उत्पन्न हों, इसको सुनिश्चित करने के क्या उपाय किए गए हैं? मैं इस ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

Demand to stop the supply of water to the NTPC unit of Bilaspur in Chhattisgarh from the hasdeo bango water reservoir

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़): उपसभाध्यक्ष महोदय, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर संभाग में हसदेव बांगों परियोजना का लाभ वर्ष 2007-08 में किसानों को 6 लाख एकड़ जमीन में खरीफ की फसल की सिंचाई के लिए मिला, जिसकी किसान वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे थे। मुख्य रूप से वर्ष 2007-08 में जांजगीर, चांपा, सक्ती, मालखरोदा, पामगढ़, खरसिया तथा चन्द्रपुर विधान सभा क्षेत्र में किसान लाभान्वित हुए, लेकिन हसदेव बांगों बांध परियोजना की बायीं तट नहर के माध्यम से NTPC को 920 MCM जल की आपूर्ति प्रतिवर्ष किए जाने के निर्णय के कारण चांपा, सक्ती, मालखरोदा,